

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया की फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री ने 'डेंटल एजुकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर पूरे दिन की लेक्चर सीरीज़ आयोजित की

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री ने कल SPARC-UKIERI के सहयोगी प्रोजेक्ट "डेंटल एजुकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" के तहत एक दिन की गेस्ट लेक्चर सीरीज़ आयोजित की। यह कार्यक्रम "डेंटल छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल" नामक आठ-मॉड्यूल वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था। कार्यक्रम का यह चौथा कॉन्टैक्ट सेशन था, जिसका उद्देश्य डेंटल छात्रों को डेंटल एजुकेशन और रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बारे में आधुनिक जानकारी और व्यावहारिक समझ प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री के डीन, प्रोफ़ेसर नदीम यूनुस के संबोधन से हुई। उन्होंने इस प्रतिष्ठित सहयोगी कार्यक्रम की मेज़बानी के लिए फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री, जामिया मिल्लिया इस्लामिया पर भरोसा जताने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को सेशन में सक्रिय रूप से भाग लेने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के विशेषज्ञों से सीखने के अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पहला लेक्चर डॉ. दीपक राय ने दिया, जो इंटरडिसिप्लिनरी ऑर्थोडॉन्टिस्ट और नोएडा स्थित नियोस्माइल डेंटल प्रैक्टिस और नियोस्माइल इंडिया एजुकेशन के संस्थापक हैं। उन्होंने डेंटल एजुकेशन और रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एडवांस्ड इस्तेमाल पर चर्चा की। यह सेशन एकेडमिक लर्निंग, रिसर्च के तरीकों और भविष्य की क्लिनिकल प्रैक्टिस में AI-सक्षम तकनीकों को शामिल करने पर केंद्रित था। डॉ. राय ने AI-सपोर्टेड टूल्स का इस्तेमाल करते समय क्रिटिकल अप्रैज़ल स्किल्स विकसित करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया और प्रतिभागियों को डेंटल प्रैक्टिस में तकनीकी इनोवेशन को ज़िम्मेदारी से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

दूसरा लेक्चर डॉ. वरुण सूर्य ने दिया, जो ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (AIIMS), नई दिल्ली के सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं। उन्होंने डेंटिस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। इस सेशन में क्लिनिकल निर्णय लेने, डायग्नोस्टिक्स, ट्रीटमेंट प्लानिंग और रिसर्च को बेहतर बनाने में AI-संचालित तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रोफ़ेसर अभिषेक मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने जेएमआई के वरिष्ठ अधिकारियों और सम्मानित वक्ताओं - डॉ. वरुण सूर्य और डॉ. दीपक राय - का उनके ज्ञानवर्धक और दिलचस्प सत्रों के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। इस सत्र में फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री के फैकल्टी सदस्यों, अंडरग्रेजुएट छात्रों और इंटर्न सहित 100 लोगों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने बातचीत और चर्चाओं को बहुत पसंद किया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रोफ़ेसर अभिषेक मेहता, प्रोफ़ेसर विवेक मेहता और प्रोफ़ेसर अदिति वर्मा ने किया।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी